कक्षा–12 NCERT राजनीति विज्ञान (समकालीन विश्व राजनीति)

अध्याय–02 (दो ध्रुवीयता का अंत / The End of Biopolarity) नोट्स भाग–1

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

Political Science Video Playlist Link-

https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU

---

1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन गलत है?

1. सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी।
2. उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व/नियंत्रण होना।
3. जनता को आर्थिक आजादी थी।
4. अर्थव्यवस्था के प्रत्येक पहलू का नियोजन और नियंत्रण राज्य करता था।

2. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार सजाएँ–

1. अफगान–संकट 2. बर्लिन–दीवार का गिरना 3. सोवियत संघ का विघटन 4. रूसी क्रांति

सही कालक्रम है–

1. रूसी क्रांति (1917)
2. अफगान–संकट (1979)
3. बर्लिन–दीवार का गिरना (1989)
4. सोवियत संघ का विघटन (1991)

3. निम्नलिखित में से कौन–सा सोवियत संघ के विघटन का परिणाम नहीं है?

1. संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक लड़ाई का अंत
2. स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (सी आई एस) का जन्म
3. विश्व–व्यवस्था के शक्ति संतुलन में बदलाव
4. मध्यपूर्व में संकट उत्तर

4. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

1. मिखाइल गोर्बाचेव	—	(अ) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
2. शॉक थेरेपी	—	(ब) सैन्य समझौता
3. रूस	—	(स) सुधारों की शुरुआत
4. बोरिस येल्तसिन	—	(द) आर्थिक मॉडल
5. वारसा	—	(इ) रुस के राष्ट्रपति

सही सुमेल है–

1. मिखाइल गोर्बाचेव	—	(स) सुधारों की शुरुआत
2. शॉक थेरेपी	—	(द) आर्थिक मॉडल
3. रूस	—	(अ) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
4. बोरिस येल्तसिन	—	(इ) रूस के राष्ट्रपति
5. वारसा	—	(ब) सैन्य समझौता

Youtube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria

A little progress everyday ..... adds up to a big results.

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

(क) सोवियत राजनीतिक प्रणाली ..... की विचारधारा पर आधारित थी।
(ख) सोवियत संघ द्वारा बनाया गया सैन्य गठबंधन ..... था।
(ग) ..... पार्टी का सोवियत राजनीतिक व्यवस्था पर दबदबा था।
(घ) ..... ने वर्ष 1985 में सोवियत संघ में सुधारों की शुरुआत की।
(ड़) ..... का गिरना शीतयुद्ध के अंत का प्रतीक था।

उत्तर

(क) समाजवाद (ख) वारसा पैक्ट (समझौता)
(ग) कम्युनिस्ट (साम्यवादी) (घ) मिखाइल गोर्बाचेव
(ङ) बर्लिन की दीवार

6. सोवियत अर्थव्यवस्था को किसी पूँजीवादी देश, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन करें।

सोवियत अर्थव्यवस्था को संयुक्त राज्य अमेरिका की (पूँजीवादी) अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली तीन प्रमुख विशेषताएँ निम्न प्रकार से हैं–

1. सोवियत अर्थव्यवस्था एक केंद्रीकृत अर्थव्यवस्था पर आधारित थी, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका (पूँजीवादी) की अर्थव्यवस्था विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था पर आधारित थी।
2. सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध एवं राज्य के नियंत्रण में थी, जबकि पूँजीवादी अर्थव्यवस्था इससे भिन्न थी अर्थात् इस पर राज्य का कोई नियंत्रण नहीं होता था।
3. सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था में सभी नागरिकों हेतु एक न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित था, परंतु पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत नागरिकों के लिए कोई न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित नहीं था।

7. किन बातों के कारण गोर्बाचेव सोवियत संघ में सुधार के लिए बाध्य हुए?

तत्कालीन समय में सोवियत संघ में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो गई थीं तथा इनमें सुधार करना आवश्यक हो गया था। निम्नलिखित समस्याओं के कारण गोर्बाचेव सोवियत संघ में सुधार के लिए बाध्य हुए–

- **सूचना–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति के लिए–** मिखाइल गोर्बाचेव ने जब साम्यवादी पार्टी महासचिव के रूप में सँभाली, तो उस समय सोवियत संघ सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पश्चिमी देशों की अपेक्षा पिछड़ रहा था।
- **पश्चिम के देशों से संबंध सामान्य बनाने के लिए–** शीतयुद्ध के समय सोवियत संघ के संबंध पश्चिमी देशों विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अच्छे नहीं थे। ऐसे में गोर्बाचेव ने सैन्य व्यय को कम करके पश्चिम के देशों से संबंध सामान्य बनाने के लिए सुधार शुरू किए।
- **रुकी हुई अर्थव्यवस्था के विकास हेतु–** सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था सुस्त व रुकी हुई सी हो गई थी। अतः अर्थव्यवस्था को रफ्तार या गति देना आवश्यक हो गया था।

8. भारत जैसे देशों के लिए सोवियत संघ के विघटन के क्या परिणाम हुए?

अथवा

सोवियत संघ विघटन का भारत जैसे देशों पर पड़े प्रभाव का वर्णन कीजिए।

शीतयुद्ध समय भारत की नीति गुटनिरपेक्षता की थी। हालाँकि के वर्ष 1971 में कुछ मुद्दों को लेकर भारत ने सोवियत संघ से मित्रता संधि भी की थी, किंतु सोवियत संघ के विघटन के बाद इन संबंधों में कई बदलाव देखने को मिले। भारत एवं इस जैसे अन्य देशों के लिए सोवियत संघ के विघटन के निम्न परिणाम सामने आए–

- **शांति की स्थापना–** सोवियत संघ का विघटन होने से शीतयुद्ध समाप्त हो गया, जिससे विश्व में हथियारों की होड़ पर भी पाबंदी लगी। ऐसे में वे देश, जो दोनों महाशक्तियों में से किसी भी पक्ष में शामिल नहीं थे, उन्हें

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria

वैश्विक शांति स्थापित होने के आसार लगे, जब शांति स्थापित हो गई तब भारत को भी इससे लाभ मिला था।

- **एक ध्रुवीय विश्व की तानाशाही–** सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका एक ध्रुवीय शक्ति के रूप में उभरकर सामने आया। उसने विभिन्न देशों के मामले में हस्तक्षेप प्रारंभ कर दिया, जिससे भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। नए देशों का उदय भारत जैसे विकासशील देश को भी अपने हितों की पूर्ति के लिए यूरोपीय संघ से जुड़ना पड़ा।
- **रूस का उदय–** सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस सोवियत संघ के प्रतिनिधि के रूप में उभरा। अपनी अर्थव्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था व सामरिक क्षमता को सुदृढ़ करते हुए वह पुनः अमेरिका को चुनौती पेश कर रहा है, परंतु भारत वर्तमान समय में अपनी आवश्यकताओं को देखते हुए अमेरिका की तरफ अधिक झुकाव रखे हुए है।

9. शॉक थेरेपी क्या थी? क्या साम्यवाद से पूँजीवाद की ओर संक्रमण का यह सबसे बेहतर तरीका था?

शॉक थेरेपी से आशय आघात पहुँचाकर उपचार करने से है। यह पूँजीवाद की ओर संक्रमण का एक विशेष मॉडल है, जो विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित किया गया था। इस मॉडल को साम्यवादी शासन के पतन के पश्चात् रूस, मध्य एशिया तथा पूर्वी यूरोप के देशों में अपनाया गया। वर्ष 1990 में अपनाई गई शॉक थेरेपी का उद्देश्य प्रत्येक देश को पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की ओर मोड़ना था।

शॉक थेरेपी के अंतर्गत निम्नलिखित कदम उठाए गए–

- सोवियत गुट से जुड़े देशों के मध्य व्यापारिक गठबंधनों को समाप्त कर इसके स्थान पर इन्हें सीधे रूप में जोड़ने पर बल दिया गया।
- पश्चिमी देश इन देशों के मार्गदर्शक के रूप में उभरकर सामने आए।

शॉक थेरेपी के अंतर्गत किए गए कार्य–

1. राज्य की संपदा का निजीकरण किया तथा सामूहिक फार्म को निजी फार्म में परिवर्तित कर दिया गया।
2. पूँजीवादी पद्धति से खेती की शुरुआत की गई। शॉक थेरेपी साम्यवाद से पूँजीवाद की ओर संक्रमण का बेहतर तरीका साबित नहीं हुआ, क्योंकि इसके नकारात्मक प्रभाव हुए, जो निम्न प्रकार से हैं–
   - रूस का राज्य नियंत्रित औद्योगिक ढाँचा क्षतिग्रस्त हो गया, लगभग 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी कंपनियों अथवा निजी हाथों को बेच दिया गया, जिसे इतिहास की सबसे बड़ी 'गैराज–सेल' के नाम से जाना जाता है।
   - रूसी मुद्रा के मूल्य में गिरावट से मुद्रास्फीति इतनी अधिक बढ़ गई कि लोगों की जमा पूँजी भी समाप्त हो गई।
   - शॉक थेरेपी के परिणामस्वरूप समाज कल्याण की व्यवस्था का अंत हो गया। ऐसे में ज्यादातर लोग गरीब हो गए। इसके अतिरिक्त अमीर एवं गरीब लोगों के बीच अंतर बढ़ गया।

(10) निम्नलिखित कथन के पक्ष या विपक्ष में एक लेख लिखें– "दूसरी दुनिया के विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति बदलनी चाहिए और रूस जैसे परंपरागत मित्र की जगह संयुक्त राज्य अमेरिका से दोस्ती करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।"

दूसरी दुनिया के विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति बदलनी चाहिए और रूस जैसे परंपरागत मित्र की जगह संयुक्त राज्य अमेरिका से दोस्ती करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कथन के पक्ष में तर्क– सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् सोवियत संघ महाशक्ति नहीं रहा, बल्कि अमेरिका अकेला एक महाशक्ति के रूप में उभरा। अतः इसे निम्न तथ्यों के द्वारा समझा जा सकता है–

1. **भारत–अमेरिका लोकतांत्रिक देश–** भारत की भाँति अमेरिका भी एक लोकतांत्रिक देश है। एक सफल लोकतंत्र की क्या आवश्यकताएँ हो सकती हैं, इसे भारत, अमेरिका से समझा जा सकता है। भारतीय लोकतंत्र को सफल बनाने एवं भारत को विकास के पथ पर के लिए भारत को अमेरिका से दोस्ती पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
2. **आतंकवाद से निपटने के लिए**– अमेरिका में वर्ष 2001 में आतंकी हमला हुआ था। इस हमले के बाद उसने

Youtube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria

आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। भारत भी आतंकवाद की समस्या से जूझ रहा है और वह भी इससे छुटकारा चाहता है। ऐसे में उसे अमेरिका के साथ मिलकर आतंकवाद की लड़ाई लड़ने के लिए उससे दोस्ती पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

3. **आर्थिक विकास के लिए**– भारत एक विकासशील देश है, जबकि अमेरिका एक विकसित देश है। भारत आर्थिक रूप से पिछड़ा देश है। यहाँ निर्धनता व गरीबी की समस्या अभी भी बनी हुई है।

इन समस्याओं का अंत तभी हो सकता है, जब अमेरिका जैसे पूँजीवादी देश उसकी आर्थिक मदद कर उसके विकास में सहायक बनें। यह तभी संभव है, जब भारत इससे दोस्ती का हाथ बढ़ाए।

कथन के विपक्ष में तर्क– (भारत–रूस संबंधों का परीक्षण) दूसरी दुनिया के विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति नहीं बदलनी चाहिए. बल्कि सोवियत के उत्तराधिकारी देश रूस के साथ अपने संबंधों को और मजबूत बनाना चाहिए।

ऐसा हम निम्न आधार पर कह सकते हैं–

1. **वर्ष 1971 की मैत्री संधि**– वर्ष 1971 में जब भारत के समक्ष बांग्लादेश संकट उत्पन्न हुआ, तो भारत ने सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की थी। इस संधि से भारत को रक्षा क्षेत्र में अत्यधिक लाभ हुआ था। जब दूसरी दुनिया का विघटन हुआ, तब भारत ने इसके सभी गणराज्यों को मान्यता दी, साथ ही इनसे मैत्रीपूर्ण संधि भी स्थापित की।
2. **उदारीकरण की प्रक्रिया को अपनाना**– भारत और रूस दोनों ने उदारीकरण की प्रक्रिया को अपनाया है। वर्ष 2000 में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने भारत के साथ रिश्तों को नई सकारात्मक दिशा दी है।
3. **रक्षा में सहयोग**– भारत और रूस के रक्षा क्षेत्र में मधुर संबंध हैं। भारत और रूस के मध्य ब्रह्मोस मिसाइल का संयुक्त निर्माण तथा पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का विकास एवं मल्टी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के भारत में उत्पादन की स्वीकारोक्ति के साथ ही सुखोई–30 एयरक्राफ्ट व टी–90 टैकों का विकास एवं विपणन का समझौता किया है। इसके अतिरिक्त रूस भारत को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार सहयोग कर रहा है।
4. **भारतीय संस्कृति को बढ़ावा**– रूस में भारतीय फिल्में खूब पसंद की जाती हैं। यहाँ राजकपूर से लेकर अमिताभ बच्चन तक घर–घर जाने जाते हैं। यहाँ हिंदी फिल्मों के गीत भी सुने जा सकते हैं। इससे भारतीय संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।
5. **बहु–ध्रुवीय विश्व का सपना**– भारत एवं रूस का सपना बहु–ध्रुवीय विश्व का है। बहु–ध्रुवीय विश्व से अभिप्राय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शक्तियाँ मौजूद हो, सुरक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी हो, क्षेत्रीयताओं को जगह मिले तथा अंतर्राष्ट्रीय संघर्षो का समाधान बातचीत से निकले। भारत एवं रूस दोनों इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत बनाने पर बल दे रहे हैं।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर कहा जा सकता है कि भारत को रूस के साथ अपनी मित्रता बनाकर रखनी चाहिए।

Class – 12th NCERT राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अध्याय को अच्छे से समझने के लिए सिद्धि विनायक संगरिया यू–ट्यूब चैनल पर आप वीडियो देखें। इसके लिए आपको चैनल की प्ले–लिस्ट NCERT POL SCIENCE|2021-22|Class 12

(https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU)

में अध्यायवार सभी वीडियो एकसाथ मिलेंगे। आप भी पढ़ें और अपने साथियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

धन्यवाद

सिद्धि विनायक संगरिया टीम

Youtube channel : Siddhi Vinayak Sangaria